

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 07 सितम्बर, 2015

विषय:- वन मुख्यालय भवन, देहरादून के अवशेष कार्यों को पूर्ण करने हेतु राज्य आकस्मिकता निधि  
धनराशि का आवंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-क-121/3-5(आवा०-अना०/वन मुख्या०) दि० 15.07.15 एवं प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड देहरादून के पत्र सं०-171/3-5(आवा०-अना०/वन मुख्या०) दिनांक 23.07.2015 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में वन मुख्यालय भवन, देहरादून लागत ₹1958.02 लाख के सापेक्ष पूर्व में अवमुक्त ₹1360.46 लाख के अतिरिक्त अवशेष कार्यों को पूर्ण करने हेतु धनराशि की त्वरित आवश्यकता की दृष्टिगत कार्य की सम्पूर्ण अवशेष धनराशि ₹597.56 लाख (रुपांच करोड़ सत्तानबे लाख छप्पन हजार मात्र) की धनराशि की व्यवस्था राज्य आकस्मिकता निधि से आहरित कर निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि तत्काल कार्यदायी संस्था निर्माण इकाई उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून को उपलब्ध कराई जायेगी। वे कार्य की धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र यथाशीघ्र विभाग को उपलब्ध करायेंगे उसी के उपरान्त अग्रेत्तर कार्यवाही की जाए व वास्तविक आवश्यकतानुसार धनराशि का उपभोग किया जाए।
2. निर्माण इकाई द्वारा वन मुख्यालय भवन के समस्त कार्य पूर्ण कर भवन शीघ्र वन विभाग को हस्तान्तरित किया जाय।
3. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
4. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर ली जाये।
5. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृति धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए। वांछित कार्य हेतु व्यय शासन द्वारा अनुमोदित धनराशि की सीमा तक ही किया जाए।
6. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दसो/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
7. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
8. विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
9. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219 (2009) दिनांक 30.5.06 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।



10. आकस्मिकता निधि से वास्तविक आहरित हुई धनराशि की प्रतिपूर्ति यथाशीघ्र प्रथम अनुपूरक बजट से सुनिश्चित की जायेगी।
11. स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व शासन की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
12. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृतियों से कराये जाने वाले कार्यों की सूचना सुराज, भ्रष्टाचर उन्मूलन एवं जन सेवा विभाग उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं०-638/XXX-1- 12(2) 2011, दि० 8 दिसम्बर, 2011 द्वारा अपेक्षित राज्य सरकार की वेबसाइट [www.ua.nic.in](http://www.ua.nic.in) तथा विभाग की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित की जायेगी और उन्हें समय-समय पर अध्यावधिक किया जायेगा।
13. विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त विभाग के शासनादेश सं०-400/XXVII(1)/2014 दि० 01.04.11 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित की जाये।
14. धनराशि उपयोगोपरान्त वर्षान्त में 31.03.2016 को उपयोगिता प्रमाण पत्र उत्तराखण्ड शासन के उपलब्ध कराया जायेगा।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक 8000-राज्य आकस्मिकता निधि 201-समेकित निधि के विनियोजन तथा अंततः अनुदान संख्या-27 के आयोजनागत पक्ष लेखाशीर्षक 4406-वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परियोजना, 01-वानिकी, 101-वन संरक्षण और विकास, 04-वन विभाग के आवासीय/अवासीय भवनों का निर्माण एवं संदृढीकरण के मानक मद 24-वृहद निर्माण कार्य नामे डाला जायेगा। कम्प्यूटरिकृत अलोटमेंट आईडी-0-S1509990030 दिनांक 02.09.2015 संलग्न है।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(डॉ० रणबीर सिंह)

प्रमुख सचिव

संख्या- 73 /XXVII(1)/रा०आ०नि०/2015 तददिनांक 31/8/2015

प्रतिलिपि महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(श्रीधर बाबू अदंकी )

अपर सचिव

संख्या- 1049 / X-2-2015-12(62)/2015 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
3. प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. परि०प्रबंधक, निर्माण इकाई उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, दे०दून।
5. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, देहरादून।
7. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
8. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून उत्तराखण्ड।
9. एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. पत्रावली संख्या-12(08)2010 हेतु।
11. गार्ड फाईल।

(आर०के०तोमर)

संयुक्त सचिव



बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Forest (S016)

आवंटन पत्र संख्या - 2049/X-2-2015-12(62)/2015

अनुदान संख्या - PAC

अलोटमेंट आई डी - S150999003

आवंटन पत्र दिनांक - 02-Sep-2015

लेखा शीर्षक - 8000-00-201-00-00 (राज्य आकस्मिकता निधि)

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

लेखा शीर्षक 4406 - वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय  
जिसमें 101 - वन संरक्षण और विकास  
समायोजन होना 00 - वन विभाग के आवासीय / अनावासीय भवनों का निर्माण है -

01 - वानिकी

04 - वन विभाग के आवासीय / अनावासीय भवनों का निर  
(अनुदान संख्या - 02

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted योग
24 - वस्तु निर्माण कार्य	0	59756000	59756000
	0	59756000	59756000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

59756000

